www.railsamacharbureau.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"प्रकृति का सम्मान और संसाधनों का सदुपयोग, यही है हर जिम्मेदार रेल यात्री का संकल्प और योग।"

"स्वच्छ पर्यावरण का सपना तभी होगा साकार, जब जिम्मेदार यात्रा बने हमारा संस्कार।"

वर्ष-36 अंक:11 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-15 जून 2026 पृष्ठ 8, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

भारतीय रेल के इतिहास में नया अध्याय

पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन तैयार

भारतीय रेलवे ने जिंद-सोनीपत खंड पर 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलने के लिए 1200 किलोवाट इंजन वाली 10 डिब्बों वाली ट्रेन को मंजूरी दी

इसके साथ ही, भारत स्वच्छ और टिकाऊ रेल संचालन के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले विशिष्ट देशों के समूह में शामिल हुआ

सूत्र - रे.स.ब्यू - हरित और टिकाऊ परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय रेलवे ने उत्तरी रेलवे के जिंद-सोनीपत खंड पर हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित 10 डिब्बों वाली एक रेलगाड़ी चलाने की मंजूरी दे दी है। यह रेलगाड़ी जल्द ही शुरू होने वाली है और 1200 किलोवाट हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणोदन प्रणाली द्वारा संचालित होकर अधिकतम 75 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी।

हाइड्रोजन ईंधन सेल तकनीक, हाइड्रोजन का उपयोग करके रासायनिक प्रतिक्रिया के माध्यम से बिजली उत्पन्न करती है, जिसमें केवल जल वाष्प ही उत्सर्जित होता है। इस प्रकार, यह पारंपरिक जीवाश्म ईंधन आधारित रेल प्रणालियों का एक स्वच्छ विकल्प है। हाइड्रोजन आधारित रेल प्रणालियों को सतत परिवहन के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है। इस पहल के साथ, भारत जर्मनी, जापान, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जो स्वच्छ रेल परिवहन के लिए हाइड्रोजन के उपयोग की संभावनाओं का पता लगा रहे हैं। चूंकि यह तकनीक अभी प्रारंभिक चरण में है, इसलिए वर्तमान में केवल कुछ ही देश ऐसी प्रणालियों का संचालन या परीक्षण कर रहे हैं।

हरियाणा के जिंद-सोनीपत खंड को इन परिचालनों के लिए पायलट मार्ग के रूप में चुना गया है। इसके लिए जिंद में एक स्वदेशी हाइड्रोजन भंडारण और ईंधन भरने की सुविधा स्थापित की गई है। पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने इस स्थल पर संपीड़ित हाइड्रोजन गैस के भंडारण और वितरण के लिए आवश्यक लाइसेंस प्रदान कर दिया है।

ईंधन भरने के लिए हाइड्रोजन संपीड़न प्रणाली, आवश्यक तकनीकी सहायता और महत्वपूर्ण पुर्जे उपलब्ध कराए गए हैं ताकि विश्वसनीय और त्रुटिरहित संचालन सुनिश्चित हो सके। किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए अलग से एक कंप्रेसर यूनिट की व्यवस्था भी की जा रही है। हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और वितरण केंद्र में स्थापित हाइड्रोजन रिसाव और आग का पता लगाने वाले विभिन्न सुरक्षा सेंसरों की नियमित रूप से जांच और सफाई की जाएगी ताकि धूल जमा न हो और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित हो सके।

आरडीएसओ द्वारा विधिवत अनुमोदित हाइड्रोजन ट्रेन-सेट और हाइड्रोजन संयंत्र के संचालन एवं रख-रखाव नियमावली भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। शकुरबस्ती में प्रस्तावित रख-रखाव सुविधा के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रावधान, नियमित ऑडिट और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस मंजूरी में व्यापक सुरक्षा और परिचालन प्रोटोकॉल का पालन करना भी अनिवार्य किया गया है, जिनमें हाइड्रोजन ईंधन भरने की प्रणाली की चौबीसों घंटे और सातों दिन निगरानी, महत्वपूर्ण कार्यों के लिए प्रशिक्षित और प्रमाणित कर्मियों की तैनाती तथा नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव कार्यक्रम शामिल हैं। परिचालन के प्रारंभिक चरण में, सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी ट्रेन के साथ रहेंगे। यह परियोजना नवाचार, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ परिवहन के प्रति भारतीय रेलवे की व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाती है और भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा और शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों के अनुरूप है।

हाइड्रोजन ट्रेन-सेट की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- भारत में डिजाइन और विकसित की गई यह ट्रेन आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- वर्तमान में, यह ब्रॉड गेज प्लेटफॉर्म पर चलने वाली दुनिया की सबसे लंबी (10 कोच) और सबसे शक्तिशाली (2400 किलोवाट) हाइड्रोजन ट्रेन है।
- इस ट्रेन में 1200 किलोवाट की दो ड्राइविंग पावर कार (डीपीसी) हैं, जिनकी कुल क्षमता 2400 किलोवाट है, साथ ही आठ यात्री कारें भी हैं।
- इससे कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन शून्य है, केवल जल वाष्प का उत्सर्जन होता है।
- रेलवे में अगली पीढ़ी की ईंधन प्रौद्योगिकी के विकास में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

'नई रफ्तार, नई तकनीक: भारतीय रेल की क्रांति का आगाज'

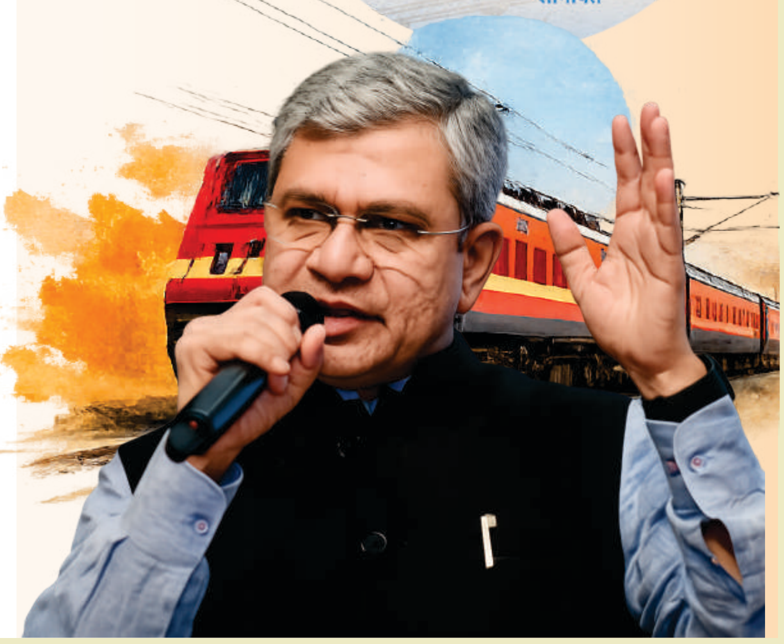

बढ़ रही भारतीय रेल की रफ्तार, तीन बड़ी परियोजनाओं को मिली मंजूरी

सूत्र - रे.स.ब्यू - भारतीय रेलवे ने देश के विभिन्न हिस्सों में रेल नेटवर्क को मजबूत करने और बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर पर किउल-झाझा तीसरी रेल लाइन, चेन्नई उपनगरीय नेटवर्क को सशक्त बनाने के लिए अरक्कोनम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण परियोजना तथा गुजरात में अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड दोहरी रेल लाइन परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा, यात्रा समय कम होगा और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

अहमदाबाद (सरखेज) - धोलेरा सेमी हाई-स्पीड दोहरी लाइन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 20,667 करोड़ रुपये की लागत वाली अहमदाबाद (सरखेज) धोलेरा सेमी हाई-स्पीड दोहरी लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। स्वदेशी रूप से विकसित तकनीक से निर्मित भारतीय रेलवे की यह पहली सेमी हाई-स्पीड परियोजना होगी।

इस परियोजना खंड से अहमदाबाद, धोलेरा एसआईआर, धोलेरा का आगामी हवाई अड्डा और लोथल राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएचएमसी) के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होगा। अहमदाबाद को धोलेरा से जोड़ने से यात्रियों का यात्रा समय कम होगा, जिससे दैनिक आवागमन आरामदायक होगा और एक ही दिन में वापसी यात्रा संभव हो सकेगी। यह सेमी हाई-स्पीड रेलवे न केवल दो शहरों को करीब लाएगा, बल्कि सैकड़ों किलोमीटर दूर रहने वाले लोगों को भी एक-दूसरे के करीब लाएगा।

भारत की पहली सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना के रूप में यह परियोजना एक अग्रणी परियोजना के रूप में काम करेगी और देश भर में सेमी हाई-स्पीड रेल के चरणबद्ध विस्तार के लिए एक संदर्भ मॉडल के रूप में कार्य करेगी। इस नये रेल लाइन प्रस्ताव से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और आवागमन में सुधार होगा, जिससे भारतीय रेलवे की कार्यकुशलता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। इससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इस परियोजना को प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टीमॉडल संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

अरक्कोनम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण

भारतीय रेलवे ने दक्षिणी रेलवे की 993 करोड़ रुपये की लागत वाली अरक्कोनम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण परियोजना (68 किमी) को स्वीकृति दे दी है, जिससे देश भर में सुरक्षित, तेज और अधिक कुशल रेल परिवहन की दिशा में प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। यह खंड चेन्नई समुद्र तट, तांबरम, चेंगलपट्टू और अरक्कोनम को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण चेन्नई उपनगरीय सर्कुलर रेल नेटवर्क का हिस्सा है।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अरक्कोनम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण परियोजना व्यस्त चेन्नई उपनगरीय रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करने और समयबद्धता एवं परिचालन दक्षता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से कॉरिडोर पर यात्री और माल ढुलाई दोनों को मजबूती मिलेगी, जिससे सीमेंट, ऑटोमोबाइल, अनाज, लोहा और इस्पात सहित प्रमुख वस्तुओं के परिवहन को लाभ होगा।

वर्तमान में, मौजूदा दोहरी लाइन का पूरा उपयोग हो रहा है और आने वाले वर्षों में यातायात में और वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसके लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के विस्तार की आवश्यकता होगी। दोहरीकरण कार्य से ट्रेनों के ठहराव का समय कम होगा, समय की पाबंदी में सुधार होगा और उपनगरीय सेवाओं की आवृत्ति बढ़ेगी।

यह मार्ग महिंद्रा वर्ल्ड सिटी, श्रीपेरुम्बुदुर, ओरगाडम और इरुनगट्टुकोट्टई सहित कई प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्रों के साथ-साथ महत्वपूर्ण ऑटोमोबाइल, सीमेंट और विनिर्माण उद्योगों को जोड़ता है। कांचीपुरम के पास प्रस्तावित परंदुर हवाई अड्डा परियोजना भी इस मार्ग के निकट स्थित है, जिससे इस मार्ग का रणनीतिक महत्व और भी बढ़ जाता है।

अरक्कोनम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण परियोजना की स्वीकृति भारतीय रेलवे द्वारा रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण, नेटवर्क क्षमता बढ़ाने और प्रमुख मार्गों पर परिचालन दक्षता में सुधार के निरंतर प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण पहल है। इस परियोजना से उपनगरीय और माल ढुलाई संपर्क मजबूत होने, क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने और तेज, सुरक्षित और अधिक विश्वसनीय परिवहन सेवाएं उपलब्ध होने की आशा है।

किउल-झाझा तीसरी लाइन परियोजना

भारतीय रेलवे ने हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर पर क्षमता बढ़ाने, परिचालन क्षमता में सुधार और निर्बाध रेल परिवहन सुनिश्चित करने की दिशा में रेलवे की प्रतिबद्धता और मजबूत करते हुए 962 करोड़ रुपये की लागत वाली किउल-झाझा तीसरी लाइन परियोजना (54 किलोमीटर) को स्वीकृति दे दी है। यह परियोजना भारतीय रेलवे के अति व्यस्त यातायात वाले नेटवर्क का महत्वपूर्ण भाग है और इससे पूर्वी और उत्तरी भारत में यात्रियों के आवागमन और माल ढुलाई दोनों की स्थिति सुदृढ़ होने की उम्मीद है।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि किउल-झाझा तीसरी लाइन परियोजना से हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर पर परिवहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और रेल सेवाओं की समयबद्धता तथा परिचालन की सामर्थ्य में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त रेल लाइन से सवारी गाड़ियों और मालगाड़ियों की सुचारू रूप से आवाजाही सुनिश्चित होगी और इसके साथ ही क्षेत्र में औद्योगिक विकास और व्यापारिक संपर्क में सहायता मिलेगी।

अभी किउल और झाझा के बीच मौजूदा दोहरी लाइन के खंड का अपनी अधिकतम क्षमता से भी ज्यादा उपयोग हो रहा है जबकि आने वाले वर्षों में इस कॉरिडोर पर यातायात की मांग और बढ़ने की आशा है जिसके लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के विस्तार की आवश्यकता होगी। प्रस्तावित 54 किलोमीटर लंबी तीसरी लाइन परियोजना से इस लाइन की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा, भीड़ कम होगी तथा सवारी गाड़ियों और मालगाड़ियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित होगी। इस परियोजना से पटना और कोलकाता के बीच संपर्क और मजबूत होगा। साथ ही, इससे उत्तरी और पूर्वी भारत के प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों के बीच माल ढुलाई भी सुगम होगी।

इस रणनीतिक गलियारे पर बढ़ते यातायात की मांग को देखते हुए इस परियोजना से यात्रियों के आवागमन और माल ढुलाई दोनों के लिए दीर्घकालिक स्तर पर बुनियादी ढांचागत सहायता मिलने की उम्मीद है। इसके माध्यम से बेहतर संपर्क और वहन क्षमता में अतिरिक्त वृद्धि से पूर्वी और उत्तरी भारत के प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच सामग्रियों की आवाजाही की सामर्थ्य बढ़ेगी, भीड़ कम होगी और रेल परिवहन की विश्वसनीयता में सुधार होगा।

वैष्णो देवी रेल मार्ग को सुरक्षा का नया कवच, ₹238 करोड़ की परियोजना को रेलवे की मंजूरी

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटरा खंड की दीर्घकालिक सुरक्षा और विश्वसनीयता को मजबूत करने की परियोजना: अश्विनी वैष्णव

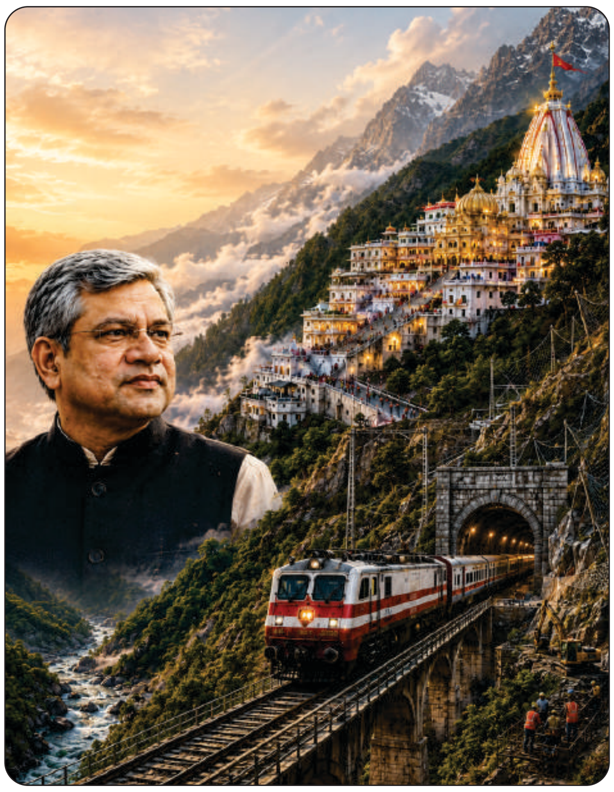

सूत्र -रे.स.ब्यू - रेलवे ने उत्तरी रेलवे के जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटरा खंड पर 238 करोड़ रुपये की लागत से महत्वपूर्ण ढलान स्थिरीकरण, सुरंग पुनर्निर्माण और पुलों के संरक्षण कार्यों को मंजूरी दी है। इन कार्यों में जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मार्ग पर संवेदनशील स्थानों पर पुनर्निर्माण, सुरंगों से रिसाव की समस्या का समाधान और अन्य संबंधित सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि ये कार्य देश के सबसे चुनौतीपूर्ण भूभागों में सुरक्षित और विश्वसनीय संपर्क सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि कटिंग, पुलों और सुरंगों के विस्तृत मूल्यांकन के बाद संरक्षण और पुनर्वास कार्यों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस खंड की दीर्घकालिक सुरक्षा और विश्वसनीयता मजबूत होगी।

कठिन भूभाग, प्रतिकूल भूवैज्ञानिक स्थितियों और प्रतिकूल मौसम के कारण इस खंड को कई इंजीनियरिंग और परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हालांकि रेलवे ने समय-समय पर क्रियान्वयन और मजबूत बुनियादी ढांचा विकास के माध्यम से इन चुनौतियों पर लगातार काबू पाया है। मौजूदा बुनियादी ढांचे के लिए नए संरक्षण और पुनर्वास कार्यों की मंजूरी के साथ, यह मार्ग पहले से अधिक बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा और हर साल लाखों यात्रियों को अधिक सुरक्षा और विश्वास के साथ सेवा प्रदान करने के लिए तैयार है।

आने वालें समय में राजस्थान को मिलेगी 200 नई ट्रेनों की सौगात: रेलमंत्री

सूत्र-रे.स.ब्यू - राजस्थान में रेलवे की आधारभूत संरचना को आधुनिक, सुदृढ़ एवं यात्री-केंद्रित बनाने की दिशा में प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पिट लाइनों, कोचिंग टर्मिनलों, यार्ड आधुनिकीकरण, दोहरीकरण, नये परीक्षण, ट्रेक की गति में वृद्धि एवं स्टेशन पुनर्विकास जैसे अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। ट्रेनों के रखरखाव, धुलाई, निरीक्षण और तकनीकी परीक्षण की क्षमता में वृद्धि से न केवल परिचालन दक्षता बढेगी, बल्कि उत्तर पश्चिम रेलवे परिक्षेत्र में रेल यातायात वृद्धि और समग्र अवसंरचना विकास के लिए नए रास्ते भी खुलेंगे।

केंद्रीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने जालोर रेलवे स्टेशन पर आजादी के बाद पहली बार जालोर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जोड़ने वाली सीधी नई रेलसेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के अवसर पर बताया कि आगामी समय में राजस्थान सें 200 से अधिक नई ट्रेनों के संचालन की क्षमता विकसित की जा रही है। राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के चलते नई ट्रेनों की संचालन क्षमता विकसित करने हेतु प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पिट लाइनों, कोचिंग टर्मिनलों, यार्ड आधुनिकीकरण, दोहरीकरण, नये परीक्षण, ट्रेक की गति में वृद्धि एवं स्टेशन पुनर्विकास जैसे अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। राजस्थान में नई एवं विस्तारित रेल सेवाओं के संचालन से सीमावर्ती क्षेत्रों, ग्रामीण अंचलों तथा औद्योगिक क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे अपनी रेल रखरखाव क्षमताओं के व्यापक विस्तार की योजना पर कार्य कर रहा है। रेल परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए ट्रेन रखरखाव क्षमता में वृद्धि महत्वपूर्ण है। वर्तमान में, ट्रेनों के रखरखाव के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर 22 रेल पिट लाइनें हैं। उल्लेखनीय है कि पिट लाइन ट्रेनों के प्राइमरी मेंटिनेंस के लिए अति आवश्य है।उत्तर पश्चिम रेलवे ने रेल रखरखाव क्षमताओं का विकेन्द्रीकरण करते हुऐ विभिन्न स्थानों जैसे मदार, उमरा, लालगढ़, श्रीगंगानगर, हिसार ,सूरतगढ़ ,खातीपुरा (जयपुर), बाड़मेर, जैसलमेर स्टेशनों पर रेल रखरखाव के लिए 20 नई रेल पिट लाइनों के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है और इन कार्यो के प्रगति की उच्च स्तर पर निगरानी रखी जा रही है।

इसके अतिरिक्त जयपुर के निकट भट्टो की गली को मेगा कोचिंग टर्मिनल के रूप में विकसित करने की योजना भी प्रस्तावित है। जिसमें पिट लाइन, वॉशिंग लाइन, स्टेबल लाइन, सिक लाइन जैसी अनुरक्षण सुविधाएँ विकसित की जाएगी ताकि वन्दे भारत तथा अन्य ट्रेनों के रैंक का अनुरक्षण किया जा सकेगा। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से जयपुर शहर के विस्तार को देखते हुए अधिकाधिक रेल परिवहन की सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेगी।

इस व्यापक विस्तार से मौजूदा रखरखाव क्षमता लगभग दोगुनी होने की उम्मीद है, जिससे उत्तर पश्चिम रेलवे की रेल संचालन क्षमता एक तरीके से दोगुनी हो जाएगी। इससे नई रेल सेवाओं की शुरुआत के पर्याप्त अवसर पैदा होंगे। देश के विभिन्न हिस्सों में नई ट्रेनों की शुरुआत सभी यात्रियों के लिए लाभकारी होगी, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान में रेलवे विकास के वर्तमान कार्य आने वाले वर्षो में राज्य की परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देंगे तथा प्रदेश को देश के प्रमुख आर्थिक एवं पर्यटन केंद्रों से और अधिक मजबूती से जोड़ेंगे। आगामी समय में राजस्थान भारतीय रेल के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में अग्रणी भूमिका निभाएगा और नई ट्रेनों, आधुनिक स्टेशनों तथा सुदृढ़ रेल नेटवर्क के माध्यम से आमजन को व्यापक लाभ प्राप्त होगा।

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ने अपने परिचालन के पहले 10 दिनों में लगभग 45,000 यात्रियों को सेवा प्रदान की

सूत्र - रे.स.ब्यू - प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 6 जून, 2025 को ऐतिहासिक 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक का उद्घाटन किया था। यह एक ऐसा क्षण था जिसने महत्वाकांक्षा को वास्तविकता में बदल दिया। 30 अप्रैल, 2026 को, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने विस्तारित, 20 कोच वाली जम्मू-तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 2 मई को इसके नियमित होने के महज दस दिनों के भीतर, चारों ट्रेनों ने मिलकर दोनों दिशाओं में 44,727 यात्रियों को 11 मई तक उनकी मंजिलों तक पहुंचाया। इससे जम्मू-कश्मीर की जीवनरेखा के रूप में मजबूती से स्थापित हो गई। अपने परिचालन के पहले सप्ताह में ही, ट्रेनों ने 28,762 यात्रियों को 8 मई तक यात्रा कराई।

जम्मू-कश्मीर कॉरिडोर पर चलने वाली वंदे भारत सेवाओं की दो जोड़ियां हैं: ट्रेन संख्या 26401 (जम्मू-तवी से श्रीनगर) और इसकी वापसी सेवा ट्रेन संख्या 26402 (श्रीनगर से जम्मू-तवी), जो मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलती हैं। और ट्रेन संख्या 26403 (जम्मू-तवी से श्रीनगर) और इसकी वापसी ट्रेन संख्या 26404 (श्रीनगर से जम्मू-तवी), जो बुधवार को छोड़कर सभी दिन चलती हैं। ये दोनों मिलकर सुनिश्चित करती हैं कि महत्वपूर्ण जम्मू-कश्मीर कॉरिडोर पर सप्ताह में कम से कम पांच दिन, प्रतिदिन 4 ट्रेनें चलती रहें। प्रत्येक मंगलवार और बुधवार को, 2 ट्रेनें लगातार इस व्यस्त मार्ग पर चलती हैं, जिससे स्थानीय लोगों, पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और व्यापारियों के लिए आवागमन आसान हो जाता है।

एक ऐसा सप्ताह जिसने अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित किया- अब 266 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर वंदे भारत सेवाओं की दो जोड़ी ट्रेनें चलती हैं, जिससे दोनों छोर के यात्रियों को कम से कम एक और ज्यादातर दिनों में दो विकल्प मिलते हैं। जिन दिनों दोनों जोड़ी ट्रेनें चलीं, मांग के चलते ट्रेनों में यात्रियों की संख्या लगभग पूरी क्षमता तक पहुंच गई: 3 मई को 4,977 यात्री, 8 मई को 4,955, 9 मई को 5,284, 10 मई को 5,657 और 11 मई को 5,024 यात्री। जो ट्रेन पहले 8 डिब्बों के साथ पूरी तरह भरी रहती थी, अब 20 डिब्बों के साथ भी लगभग पूरी क्षमता से चल रही है, जो इस बात को दर्शाता है कि इस कॉरिडोर पर यात्रा की ''अत्यधिक'' मांग उपलब्ध आपूर्ति से कहीं अधिक हो गई है।

जिन दिनों केवल एक जोड़ी ट्रेनें परिचालित हुईं, उन दिनों में 5 मई को ऑक्यूपेंसी दर 95.03 प्रतिशत और 6 मई को 94.79 प्रतिशत तक पहुंच गई। सप्ताहांतों में मांग में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, अकेले शनिवार और रविवार को लगभग 11,000 यात्रियों ने यात्रा की। रविवार (10 मई) को ही ऑक्यूपेंसी दर 98.21 प्रतिशत थी, जो इस कॉरिडोर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को दर्शाती है।

तीर्थयात्रियों से लेकर व्यापारियों तक, सबके लिए एक ट्रेन- ये आंकड़े सिर्फ यात्रियों की संख्या से कहीं अधिक दर्शाते हैं। जम्मू और श्रीनगर के बीच तीर्थयात्री, छात्र, सरकारी अधिकारी और व्यापारी पहली बार बिना रुके यात्रा कर रहे हैं। जिन पर्यटकों को कभी घाटी की यात्रा करना मुश्किल लगता था, वे अब वंदे भारत ट्रेन की आरामदायक सीट से चेनाब और अंजी पुलों की अद्भुत इंजीनियरिंग कृतियों का आनंद ले रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ट्रेन को -20 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी चलने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह हिमपात और भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के कई दिनों तक अवरुद्ध रहने पर भी एक भरोसेमंद और हर मौसम में चलने वाला रूट बन जाता है।

एक ऐसी यात्रा जो किफायती भी है- इस रूट पर वंदे भारत सबसे किफायती विकल्प भी है। भोजन सहित चेयर कार का टिकट उसी यात्रा के लिए बजट एयरलाइन द्वारा लिए जाने वाले शुल्क का एक अंश मात्र है, जबकि सबसे सस्ती एकतरफा उड़ान भी काफी महंगी होती है। साझा कैब में प्रति सीट का किराया अधिक होता है, और निजी टैक्सी में तो कई गुना अधिक, साथ ही राजमार्ग के अवरोधों से बचाव की कोई सुविधा भी नहीं होती। जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत रेल मार्ग केवल दो शहरों को ही नहीं जोड़ताय यह आपको दुनिया के सबसे खूबसूरत रेल मार्गों में से एक से होकर ले जाता है।

जम्मू के ऊंचे-नीचे भूभाग से लेकर, गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने वाले चेनाब और अंजी पुलों को पार करते हुए, हिमालय की चट्टानों को काटकर बनाई गई सुरंगों से गुजरते हुए, कश्मीर की धूप से जगमगाती घाटियों तक, इस यात्रा का हर किलोमीटर अपने आप में एक अनूठा अनुभव है। भारतीय रेलवे ने इस असाधारण यात्रा का किराया अपने परिचालन खर्च से कम रखा है, ताकि हर यात्री इस तरह की यात्रा का आनंद ले सके। धरती पर स्वर्ग अब कोई विशेषाधिकार नहीं रहा। यह बस एक ट्रेन टिकट की दूरी पर है। इस बेहद खास मार्ग की यात्रा का मौका न चूकें।

कश्मीर के स्वर्णिम मौसम का बिल्कुल सही समय- वंदे भारत सेवा का विस्तार ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ हुआ है, यही वह मौसम है जब कश्मीर सचमुच धरती पर स्वर्ग कहलाने का हकदार होता है। घाटियां खिल उठती हैं, डल झील जगमगा उठती है और पहलगाम और गुलमर्ग के मैदान देश भर से यात्रियों को आकर्षित करते हैं। ऐसे में इस सेवा का समय इससे बेहतर नहीं हो सकता था। पर्यटक अब जम्मू तवी से ट्रेन में सवार होकर पांच घंटे से भी कम समय में श्रीनगर पहुंच सकते हैं, जो किसी भी अन्य विकल्प की तुलना में तेज, सस्ता और अधिक भरोसेमंद है। आने वाले व्यस्त पर्यटन महीनों में यात्रियों की संख्या पहले से ही प्रभावशाली आंकड़ों से कहीं अधिक बढ़ने की उम्मीद है और भारतीय रेलवे इस मांग को पूरा करने के लिए तैयार है।

काजीपेट रेल फैक्ट्री में जल्द शुरू होगा इंटरसिटी ट्रेनों का निर्माण, 5 वर्षों में तैयार होंगी 200 नई ट्रेनें

सूत्र/रे.स.ब्यू - देश में क्षेत्रीय और कम दूरी की रेल यात्रा को नया स्वरूप देने की दिशा में भारतीय रेलवे बड़ा कदम उठाने जा रहा है। तेलंगाना स्थित काजीपेट रेल विनिर्माण इकाई लगभग तैयार हो चुकी है और जल्द ही यहां इंटरसिटी ट्रेनों का निर्माण शुरू होने की संभावना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाल ही में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना की प्रगति और संचालन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की।

रेलवे के अनुसार, काजीपेट इकाई में अगले पांच वर्षों के दौरान करीब 200 इंटरसिटी ट्रेनों का निर्माण किया जाएगा। इन ट्रेनों को देश के विभिन्न हिस्सों में कम दूरी की यात्रा के लिए तैनात किया जाएगा, जहां यात्रियों को बार-बार रुकने वाली तेज और सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध कराई जा सके। इनका उपयोग मुख्य रूप से ऐसे मार्गों पर किया जाएगा, जहां विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग और अन्य यात्री रोजाना या नियमित रूप से एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा करते हैं।

नई इंटरसिटी ट्रेनें आसपास के शहरों और कस्बों को जोड़ने वाली शटल सेवाओं की तरह काम करेंगी। रेलवे का मानना है कि इनके संचालन से सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी और यात्रियों को सुरक्षित, किफायती तथा पर्यावरण-अनुकूल यात्रा विकल्प मिलेगा। इन ट्रेनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम, बेहतर वेंटिलेशन, 20 कोचों की संरचना और उन्नत सुरक्षा सुविधाएं शामिल होंगी। प्रत्येक कोच में यात्रियों की सुविधा के लिए दो शौचालय उपलब्ध होंगे। इसके अलावा झटके कम करने वाले आधुनिक कपलर और उन्नत बोगियां भी लगाई जाएंगी।

रेलवे के अनुसार, इन ट्रेनों को 130 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इनमें रीजनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम भी होगा, जो ब्रेक लगने के दौरान ऊर्जा को पुनः उपयोग में लाने में सक्षम होगा। इससे ऊर्जा की बचत होगी और रेल परिवहन को और अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी। रेलवे का मानना है कि बड़ी संख्या में ऐसी आधुनिक इंटरसिटी ट्रेनों के शामिल होने से देशभर में स्वच्छ, टिकाऊ और कुशल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, साथ ही छोटे और मध्यम शहरों के बीच संपर्क भी बेहतर होगा।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

सोनपुर मंडल संसदीय समिति की बैठक में रेल विकास और यात्री सुविधाओं पर मंथन

सूत्र - रे.स.ब्यू - दिनांक 26.05.2026 को सोनपुर मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सोनपुर मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदगण ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सारण के माननीय सांसद श्री राजीव प्रताप रूडी द्वारा की गयी। बैठक में सभी माननीय सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन सहित मुख्यालय एवं सोनपुर मंडल के सभी उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे।

इस बैठक में केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी, वैशाली की माननीया सांसद श्रीमती वीणा देवी, कटिहार के माननीय सांसद श्री तारिक अनवर एवं खगड़िया के माननीय सांसद श्री राजेश वर्मा उपस्थित थे। इनके अलावा माननीय केन्द्रीय वस्त्र मंत्री, भारत सरकार श्री गिरिराज सिंह के प्रतिनिधि श्री राजीव वर्मा, माननीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री, भारत सरकार श्री चिराग पासवान के प्रतिनिधि श्री अवधेश कुमार सिंह, माननीय गृह राज्य मंत्री भारत सरकार श्री नित्यानंद राय के प्रतिनिधि श्री सत्यवंत कुमार चौधरी, माननीय सांसद श्री अजय कुमार मंडल के प्रतिनिधि श्री गौरव कुमार उपस्थित थे ।

माननीय सांसदगण एवं उनके प्रतिनिधियों ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। माननीय सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया तथा भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। साथ ही बैठक में कुछ ट्रेनों के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव पर भी चर्चा हुई। इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने माननीय सांसदगण एवं माननीय सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया। महाप्रबंधक ने अपने स्वागत संबोधन में सोनपुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से माननीय सांसदगण को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने माननीय सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूपरेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा ।

अब AI बताएगा वेटिंग टिकट के कन्फर्म होने के चांस, रेलवे ला रहा है नई पीढ़ी का रिजर्वेशन सिस्टम

सूत्र - रे.स.ब्यू - भारतीय रेलवे जल्द ही अपनी टिकटिंग व्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा तकनीकी बदलाव करने जा रही है। रेलवे ने 40 वर्ष पुरानी पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (PRS) को आधुनिक तकनीक से लैस नए प्लेटफॉर्म पर अपग्रेड करने की तैयारी शुरू कर दी है, जिसे अगस्त 2026 से लागू किए जाने की योजना है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य टिकट बुकिंग को अधिक तेज, भरोसेमंद और यात्रियों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में इस परियोजना की प्रगति का जायजा लिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि नए सिस्टम में बदलाव के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। रेलवे की कोशिश है कि पूरी प्रक्रिया के दौरान टिकटिंग सेवाएं सुचारु रूप से चलती रहें।

नई प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। इससे यात्रियों को वेटिंग टिकट के कन्फर्म होने की संभावना का अधिक सटीक अनुमान मिल सकेगा। साथ ही टिकट बुकिंग की गति बढ़ेगी, सर्वर क्षमता बेहतर होगी और यात्रियों को रियल टाइम जानकारी पहले से अधिक तेजी से प्राप्त होगी।

भारतीय रेलवे की मौजूदा आरक्षण प्रणाली वर्ष 1986 में शुरू हुई थी। समय-समय पर इसमें कई सुधार किए गए, लेकिन अब डिजिटल टिकटिंग, मोबाइल ऐप्स और बढ़ती ऑनलाइन मांग को देखते हुए पूरी व्यवस्था को नई तकनीक के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। रेलवे का मानना है कि यह अपग्रेड केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि करोड़ों यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस से यात्रियों को मिल रही बेहतर कनेक्टिविटी, लंबी दूरी की यात्रा हुई आसान

सूत्र/रे.स.ब्यू - हाल ही में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा अमृतसर - न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद इस मार्ग के यात्रियों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलने लगा है। इस नई ट्रेन सेवा के शुरू होने से पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के बीच यात्रा करने वाले लोगों को सीधी और सुविधाजनक रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिल रहा है। रेलवे के अनुसार, अमृत भारत एक्सप्रेस ने उत्तर भारत और पूर्वी भारत के बीच आवागमन को और आसान बनाया है। नई सेवा शुरू होने के बाद यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए एक अतिरिक्त और सुविधाजनक विकल्प मिला है, जिससे यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुगम हुई है।

ट्रेन में आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे सफर अधिक आरामदायक और किफायती बना है। रेलवे का मानना है कि इससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिलने के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के बीच सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक संपर्क भी मजबूत होंगे। इसके अलावा, इस ट्रेन के संचालन से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने, व्यापारिक संपर्क बढ़ने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को गति मिलने की उम्मीद है। पूर्वी भारत और पंजाब के बीच नियमित यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह सेवा समय की बचत और बेहतर कनेक्टिविटी का नया विकल्प बनकर उभरी है।

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज मंडल कार्यालय में किया विद्युत कर्षण नियंत्रण केंद्र का उदघाटन साइबर सिक्योरिटी सिस्टम से डेटा को मिलेगी साइबर सुरक्षा

सूत्र/रे.स.ब्यू - दिनांक 30.05.2026 को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, श्री नरेश पाल सिंह ने प्रयागराज मंडल कार्यालय में स्थापित आधुनिक विद्युत कर्षण नियंत्रण केंद्र (Traction Remote Control Centre) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के अधिकारीगण, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल श्री रजनीश अग्रवाल सहित प्रयागराज मंडल के अधिकारीगण उपस्थित रहे। यह केंद्र अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है, जिसके माध्यम से विद्युत कर्षण प्रणाली की निगरानी, नियंत्रण एवं संचालन को अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं दक्ष बनाया जा सकेगा। आधुनिक विद्युत कर्षण नियंत्रण केंद्र का महाप्रबंधक महोदय ने सीनियर टेक्नीशियन टी आर डी श्री ओम प्रकाश से फीता कटवाकर उद्घाटन करवाया। श्री ओम प्रकाश जो कि टी आर डी विभाग में सीनियर टेक्नीशियन पर पर कार्यरत है और दिसंबर 2026 में सेवानिवृत्त होंगे।

नवस्थापित नियंत्रण केंद्र रेल परिचालन की विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ साइबर सुरक्षा, ऊर्जा प्रबंधन तथा विद्युत आपूर्ति प्रणाली की सतत निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अत्याधुनिक सुविधा के माध्यम से रेल संचालन से संबंधित तकनीकी सूचनाओं का त्वरित विश्लेषण एवं बेहतर निर्णय सुनिश्चित किया जा सकेगा। उद्घाटन के पश्चात महाप्रबंधक ने विद्युत कर्षण नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएं सुनिश्चित करने एवं आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह सुविधा उत्तर मध्य रेलवे के सुरक्षित, दक्ष एवं आधुनिक रेल संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, श्री वीरेन्द्र वर्मा ने पीपीटी के माध्यम से विद्युत कर्षण नियंत्रण केंद्र की कार्यप्रणाली एवं साइबर सुरक्षा के संबंध में मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एवं अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज मंडल कार्यालय स्थित विद्युत कर्षण नियंत्रण केंद्र को RDSO SPEC-130 प्रणाली से उन्नत कर RDSO SPEC-134 प्रणाली में परिवर्तित किया गया है। नई प्रणाली में डेटा एक्सेस की गति अधिक उन्नत है तथा छढे (Network Management System) से संचार बाधित होने की स्थिति में भी सटीक एवं त्वरित जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इससे दोष निवारण, प्रणाली सुधार एवं परिचालन कार्यों की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

चारबाग स्टेशन शेड हादसे पर रेलवे का कड़ा रुख, ठेकेदार पर 50 लाख का जुर्माना, इंजीनियर और निगरानी टीम पर कार्रवाई

सूत्र - रे.स.ब्यू - लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेड का एक हिस्सा गिरने की घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने जिम्मेदार एजेंसियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। प्रारंभिक जांच के आधार पर निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जबकि परियोजना से जुड़े कई अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की गई है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश पांडे ने बताया कि चारबाग स्टेशन पर वर्तमान में व्यापक पुनर्विकास कार्य चल रहा है। यह परियोजना उत्तर रेलवे के अधीन है, लेकिन इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) को सौंपी गई है। इससे पहले गोमती नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य भी इसी संस्था ने कराया था।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान सामने आई तकनीकी खामियों के कारण प्लेटफॉर्म शेड का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। घटना के बाद रेलवे ने तत्काल जांच शुरू करते हुए जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। रेलवे का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा और निर्माण गुणवत्ता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रेलवे के अनुसार, प्रोजेक्ट साइट इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है, जबकि निगरानी का जिम्मा संभाल रही प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (PMC) टीम के संबंधित कर्मचारियों और प्रभारी अधिकारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। साथ ही परियोजना से जुड़ी एजेंसी पर आर्थिक दंड भी लगाया गया है। मामले की गहन जांच के लिए रेलवे मुख्यालय ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय समिति गठित की है। यह समिति हादसे के कारणों, निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि जांच में यदि किसी अन्य स्तर पर भी लापरवाही सामने आती है तो अतिरिक्त कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेगा।

महाप्रबंधक राजेश पांडे ने कहा कि इस घटना को रेलवे एक गंभीर चेतावनी के रूप में देख रहा है और भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति रोकने के लिए निर्माण कार्यों की निगरानी और सुरक्षा मानकों को और सख्त किया जाएगा।

सदस्य, कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड, श्री आर. राजगोपाल ने किया बरेका का व्यापक निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू - रेलवे बोर्ड के सदस्य (कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक) आर. राजगोपाल ने हाल ही में बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन गतिविधियों, गुणवत्ता सुधार पहलों, तकनीकी नवाचारों और भविष्य की विकास योजनाओं की समीक्षा की तथा अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक भी की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लोको फ्रेम शॉप, लोको असेंबली शॉप, ट्रक मशीन शॉप, लोको टेस्ट शॉप और अन्य उत्पादन इकाइयों का दौरा कर रेल इंजनों के निर्माण, परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं का जायजा लिया। साथ ही अभिकल्प विभाग में विकसित की जा रही नई तकनीकों, आधुनिक लोको डिजाइनों और आगामी परियोजनाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

बाद में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बरेका की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में बरेका ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक 572 रेल इंजनों का उत्पादन कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के उत्पादन लक्ष्यों और उनकी तैयारियों की प्रगति से भी सदस्य महोदय को अवगत कराया गया।

समीक्षा के दौरान अमृत भारत पुश-पुल WAP-7 इंजनों के निर्माण, कवच प्रणाली से लैस लोकोमोटिव, उन्नत प्रोपल्शन तकनीक, ट्रैक्शन मोटर परीक्षण और अत्याधुनिक निरीक्षण व्यवस्थाओं पर विशेष चर्चा हुई। इसके अलावा निर्यात बाजार और गैर-रेलवे ग्राहकों के लिए तैयार किए जा रहे डीजल इंजनों, अवसंरचना विकास परियोजनाओं और भविष्य की उत्पादन योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

बरेका प्रबंधन ने हरित एवं सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि परिसर में रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र संचालित हैं, जबकि अतिरिक्त सौर ऊर्जा क्षमता और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) की स्थापना पर कार्य जारी है। इसके अलावा वर्षा जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं पर भी काम किया जा रहा है।

दौरे के दौरान आर. राजगोपाल ने बरेका द्वारा लोको उत्पादन, गुणवत्ता सुधार, तकनीकी नवाचार, ऊर्जा संरक्षण और 'मेक इन इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड' के तहत किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया तथा उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार देने की घोषणा की।

उत्तर मध्य रेलवे की ZRUCC बैठक में यात्री सुविधाओं और विकास कार्यों पर चर्चा

सूत्र/रे.स.ब्यू - उत्तर मध्य रेलवे की 10वीं क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति (ZRUCC) की द्वितीय बैठक प्रयागराज में आयोजित की गई, जिसमें रेल सेवाओं, यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, लोकसभा सांसद संध्या राय, विधायक मनीषा अनुरागी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत में उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने सभी माननीय सांसदों, विधायक और समिति के सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (सामान्य) एवं सचिव (जेडआरयूसीसी) अतुल कुमार मिश्रा ने सभा के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, उपस्थित जनप्रतिनिधियों और सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य यात्रियों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों तथा आम जनता से सुझाव प्राप्त करना है, जिससे रेलवे प्रशासन को जन अपेक्षाओं के अनुरूप निर्णय लेने में सहायता मिल सके।

बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उत्तर मध्य रेलवे की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अवधि में 15.51 करोड़ यात्रियों ने उत्तर मध्य रेलवे की सेवाओं का उपयोग किया, जबकि 20.97 मिलियन टन माल लदान से लगभग 2292 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई। यात्रियों की सुविधा के लिए 16,075 विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया, 899 अतिरिक्त कोच लगाए गए तथा तीन नई ट्रेन सेवाएं शुरू की गई। उन्होंने बताया कि 96 किमी नई रेलवे लाइन बिछाई गई, 27 किमी गेज परिवर्तन किया गया तथा प्रयागराज-कानपुर खंड के 190 किमी मार्ग पर 'कवच' प्रणाली लागू की गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 46 स्टेशनों में से 17 स्टेशनों का कार्य पूरा किया जा चुका है।

बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों और समिति सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे उठाए। यात्री सुविधाओं के विस्तार, प्रमुख ट्रेनों के ठहराव, फुट ओवर ब्रिज, पेयजल, शौचालय, शेल्टर और रेल संपर्क को मजबूत बनाने संबंधी सुझाव रेलवे प्रशासन को दिए गए। इसी क्रम में रेल समाचार ब्यूरो के प्रधान संपादक एवं क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति (ZRUCC) के सदस्य ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने भी उत्तर मध्य रेलवे को और अधिक विकसित, आधुनिक एवं यात्री-केंद्रित बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव और प्रस्ताव प्रस्तुत किए। महाप्रबंधक ने सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करने तथा आवश्यक मामलों को रेल विकास योजनाओं में शामिल करने का आश्वासन दिया।

आयुष ग्रिड के तहत लॉन्च हुआ आयुष अनुदान पोर्टल, अनुदान प्रक्रिया होगी पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी

सूत्र/रे.स.ब्यू - केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में आयुष ग्रिड पहल के तहत विकसित आयुष अनुदान पोर्टल का शुभारंभ किया। मंत्रालय के अनुसार, यह पोर्टल आयुष क्षेत्र में डिजिटल शासन को मजबूत करने और अनुदान प्रबंधन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, दक्ष एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पोर्टल के माध्यम से विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के अंतर्गत वित्तपोषण प्रस्तावों के प्रस्तुतीकरण, प्रसंस्करण, अनुमोदन और निगरानी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित की जाएगी। इस अवसर पर प्रतापराव जाधव ने कहा कि आयुष ग्रिड एक दूरदर्शी डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य आयुष क्षेत्र के लिए एकीकृत, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित डिजिटल इकोसिस्टम विकसित करना है। उन्होंने कहा कि आयुष अनुदान पोर्टल अनुदान प्रबंधन प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा और शत-प्रतिशत पारदर्शिता, दक्षता, जवाबदेही तथा सुगम पहुंच सुनिश्चित करेगा।

मंत्रालय के अनुसार, पोर्टल एनजीओ दर्पण पोर्टल के साथ एकीकृत है, जिससे आवेदक संस्थाओं का प्रमाणीकरण और सत्यापन तेज, स्वचालित और अधिक विश्वसनीय होगा। इसके अलावा, योजना-वार आवेदन प्रबंधन प्रणाली और रीयल-टाइम आवेदन ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं आवेदकों और अधिकारियों को

प्रत्येक चरण में प्रस्तावों की स्थिति पर नजर रखने में मदद करेंगी। कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन, अलार्मेलमंगई डी., मोनालिसा डैश सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्रालय का कहना है कि यह पहल डिजिटल इंडिया के विजन के अनुरूप एक मजबूत, नवाचार-संचालित और डिजिटल रूप से सशक्त आयुष इकोसिस्टम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आयुष मंत्रालय और भाषिणी के बीच समझौता, 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी आयुष सेवाएं

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन (डीआईबीडी) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) आधारित भाषा प्रौद्योगिकी के माध्यम से आयुष ज्ञान प्रणालियों को विभिन्न भारतीय भाषाओं में अधिक सुलभ बनाना और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को व्यापक स्तर तक पहुंचाना है।

"भाषिणी राजयम एक भाषिणी सहयोगी कार्यक्रम" के तहत हुई इस साझेदारी के माध्यम से भारत के राष्ट्रीय भाषा डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर 'भाषिणी' प्लेटफॉर्म को आयुष मंत्रालय के विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों और सेवाओं के साथ एकीकृत किया जाएगा। इस पहल का लक्ष्य आयुष से जुड़ी जानकारियों, सेवाओं और डिजिटल संसाधनों को देश के विभिन्न भाषाई समुदायों तक उनकी मातृभाषा में पहुंचाना है। आयुष मंत्रालय वर्तमान में आयुष ग्रिड पहल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, क्षमता निर्माण, औषधि प्रशासन और अन्य संबंधित क्षेत्रों में कई डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। मंत्रालय की योजना है कि आयुष ग्रिड के तहत विकसित पोर्टल, मोबाइल एप्लिकेशन और एआई आधारित समाधानों को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इन सेवाओं का लाभ उठा सकें।

इस सहयोग के तहत भाषिणी की अनुवाद, वाक् पहचान और ध्वनि आधारित तकनीकों को आयुष ग्रिड पोर्टल, एप्लिकेशन और एआई टूल्स में शामिल किया जाएगा। साथ ही आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी से संबंधित स्वास्थ्य एवं कल्याण संवाद के लिए विशेष बहुभाषी शब्दावली और एआई मॉडल विकसित करने पर भी काम किया जाएगा। समझौता ज्ञापन पर आयुष मंत्रालय के निदेशक डॉ. सुबोध कुमार और डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ नाग ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन भी उपस्थित रहीं।

वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुष चिकित्सा प्रणालियों में भारत की समृद्ध पारंपरिक ज्ञान विरासत समाहित है और इसे हर भारतीय भाषा में उपलब्ध कराना समावेशी स्वास्थ्य सेवा के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाषिणी के साथ यह सहयोग बहुभाषी क्षमताओं को मजबूत करेगा और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप एआई आधारित प्रणालियों के विकास में मदद करेगा। वहीं, संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन ने कहा कि बहुभाषी एआई समाधान स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और मरीज के बीच संवाद को सरल बनाने वाली एआई आधारित प्रणालियां तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के अन्य नवाचार नागरिक-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा मॉडल को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे।

भाषिणी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ नाग ने कहा कि भाषा-समावेशी एआई सिस्टम डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सहयोग बहुभाषी और वॉइस-इनेबल्ड हेल्थकेयर इकोसिस्टम के निर्माण में मदद करेगा, जिससे नागरिक अपनी पसंदीदा भाषा में स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं और जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर भाषिणी डिवीजन ने कई एआई आधारित समाधानों का प्रदर्शन भी किया, जिनमें बहुभाषी डॉक्टर-मरीज प्रिस्क्रिप्शन जनरेशन सिस्टम, रीयल-टाइम मीटिंग ट्रांसक्रिप्शन, आवाज आधारित सीवी निर्माण समाधान और प्राचीन भारतीय पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण से जुड़े तकनीकी उपकरण शामिल थे।

इस पहल को आयुष क्षेत्र में डिजिटल समावेशन और नागरिक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे देश के विभिन्न भाषाई क्षेत्रों में आयुष सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता को नई मजबूती मिलेगी।

आयुषएक्सआईएल और मसाला बोर्ड ने किया समझौता, आयुष उत्पादों व औषधीय मसालों को मिलेगा वैश्विक बढ़ावा

सूत्र/रे.स.ब्यू - भारत की पारंपरिक वेलनेस और प्राकृतिक उत्पादों की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में आयुष निर्यात संवर्धन परिषद (आयुषएक्सआईएल) और भारतीय मसाला बोर्ड के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रतापराव जाधव ने इस साझेदारी को दूरदर्शी और भविष्योन्मुखी बताते हुए कहा कि यह आयुर्वेद, औषधीय पौधों और भारतीय मसालों के वैश्विक एकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 'स्पाइस एंड हील' पहल भारत को समग्र स्वास्थ्य और प्राकृतिक उपचार समाधानों के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनाने की क्षमता रखती है। समझौते का उद्देश्य आयुष उत्पादों और औषधीय मसालों के क्षेत्र में निर्यात संवर्धन, गुणवत्ता आश्वासन, मानकीकरण, अनुसंधान, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय बाजार विकास को मजबूत करना है। इसके तहत कार्यात्मक खाद्य पदार्थों, न्यूट्रास्युटिकल्स, हर्बल अर्क तथा मूल्य वर्धित आयुर्वेदिक एवं मसाला आधारित उत्पादों को वैश्विक बाजारों में बढ़ावा दिया जाएगा।

दोनों संस्थाएं ब्रांडिंग पहल, ट्रेसिबिलिटी फ्रेमवर्क, वैज्ञानिक सत्यापन, क्षमता निर्माण, कोडेक्स सहयोग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में संयुक्त भागीदारी पर भी काम करेंगी। इस साझेदारी से किसानों, एमएसएमई, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों और निर्यातकों के लिए नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है, जिससे भारत के निर्यात और वेलनेस अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। एमओयू पर आयुषएक्सआईएल के अध्यक्ष डॉ. अनुराग शर्मा और भारतीय मसाला बोर्ड के सचिव एम. एस. मणिवन्नन, आईएएस ने हस्ताक्षर किए। सरकार का मानना है कि यह पहल आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया और हील इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों को भी मजबूती प्रदान करेगी।

संपादकीय

सतर्क यात्री, सुरक्षित यात्रा

भारतीय रेल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि देश की जीवनरेखा है। प्रतिदिन करोड़ों यात्री रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों का उपयोग करते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हालांकि, सुरक्षा केवल रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) या सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें यात्रियों की सतर्कता और सहभागिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

आज के समय में सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म और रेलगाड़ियां सार्वजनिक स्थान हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। ऐसे स्थानों पर यदि कोई लावारिस बैग, संदिग्ध वस्तु, असामान्य गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे, तो उसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए।

अक्सर लोग यह सोचकर आगे बढ़ जाते हैं कि इसकी सूचना कोई और दे देगा। लेकिन यही लापरवाही कई बार गंभीर परिस्थितियों को जन्म दे सकती है। एक जिम्मेदार यात्री की पहचान उसकी सजगता से होती है। यदि किसी यात्रि को कोई संदिग्ध वस्तु दिखाई देती है, तो उसे स्वयं उस वस्तु को छूने, खोलने या हटाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। इसके बजाय तुरंत नजदीकी रेलवे कर्मचारी, स्टेशन मास्टर, टिकट जांच कर्मचारी, आरपीएफ या जीआरपी को इसकी जानकारी देनी चाहिए।

यात्रियों द्वारा दी गई समय पर सूचना कई संभावित खतरों को टाल सकती है। अनेक अवसरों पर आम नागरिकों और यात्रियों की सतर्कता ने सुरक्षा एजेंसियों को समय रहते कार्रवाई करने में सहायता प्रदान की है। यह दर्शाता है कि सुरक्षा व्यवस्था तभी प्रभावी बनती है जब प्रशासन और जनता दोनों मिलकर कार्य करें।

रेल यात्रा के दौरान यात्रियों को अपने सामान की सुरक्षा के साथ-साथ आसपास के वातावरण पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति बिना कारण संदिग्ध गतिविधि करता दिखाई दे, प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास करे या किसी वस्तु को छोड़कर जल्दी से वहां से चला जाए, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना आवश्यक है।

रेलवे समय-समय पर यात्रियों को जागरूक करने के लिए घोषणाओं, पोस्टरों और अभियानों का संचालन करता है। इन संदेशों का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। एक सतर्क यात्री न केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि सैकड़ों अन्य यात्रियों की सुरक्षा में भी योगदान देता है।

सुरक्षित यात्रा के लिए कुछ सरल बातें सदैव याद रखनी चाहिऐं किसी भी लावारिस वस्तु को न छुएं, संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखें, अफवाहों से बचें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत रेलवे अधिकारियों को सूचना दें। आपकी एक छोटी-सी सूचना कई लोगों के लिए सुरक्षा कवच बन सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 का मुख्य आयोजन कोलकाता में, विषय होगा "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग"

खजुराहो में योग और स्वास्थ्य का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता: श्री प्रतापराव जाधव

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने खजुराहो में आयोजित योग महोत्सव 2026 के दौरान घोषणा की कि 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष की थीम "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग" रखी गई है, जिसका उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और स्वस्थ उम्र बढ़ने में योग की भूमिका को रेखांकित करना है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के पश्चिमी मंदिर समूह में आयोजित कार्यक्रम ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के लिए 25 दिवसीय काउंटडाउन की शुरुआत की, जिसमें हजारों लोगों ने कॉमन योगा प्रोटोकॉल के सामूहिक प्रदर्शन में भाग लिया। इस अवसर पर योग संगम पोर्टल का पुनः शुभारंभ, योग पार्क पोर्टल का शुभारंभ तथा नई योग टी-शर्ट का अनावरण किया गया। श्री जाधव ने खजुराहो को योग और स्वास्थ्य के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने की क्षमता वाला स्थल बताया, जबकि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने योग और खजुराहो को भारत की सांस्कृतिक विरासत के अभिन्न प्रतीक बताया। कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और योग विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा योग आधारित निवारक स्वास्थ्य देखभाल और जनभागीदारी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

रेल की हर अपडेट अब आपके मोबाइल पर
रेल समाचार ब्यूरो
की वेबसाइट पर खबरें पढ़ने के लिए अभी स्कैन करें
बस स्कैन करें यह कोड

पशुपतिनाथ के दर्शन से पोखरा की वादियों तक, भारत गौरव ट्रेन लेकर आई नेपाल घूमने का खास मौका

सूत्र/रे.स.ब्यू - अगर आप ऐसी यात्रा की तलाश में हैं, जहां आस्था, रोमांच और प्रकृति एक साथ मिल जाएं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। आईआरसीटीसी ने भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन के तहत ''पशुपतिनाथ (नेपाल) दर्शन यात्रा'' की घोषणा की है, जिसके जरिए यात्रियों को नेपाल के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों की सैर का अवसर मिलेगा। यह 9 रात और 10 दिनों का विशेष टूर 12 जून 2026 को इंदौर से शुरू होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन कर सकेंगे, वहीं प्रकृति प्रेमियों को चितवन के हरियाले परिवेश, पोखरा की खूबसूरत वादियों, मनकामना मंदिर और काठमांडू की सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने का मौका मिलेगा।
नेपाल लंबे समय से भारतीय पर्यटकों और श्रद्धालुओं के पसंदीदा गंतव्यों में शामिल रहा है। एक ओर जहां पशुपतिनाथ मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, वहीं पोखरा अपनी झीलों, पहाड़ों और मनमोहक दृश्यों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। चितवन का प्राकृतिक वातावरण और काठमांडू की सांस्कृतिक पहचान भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।
आईआरसीटीसी के अनुसार, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी और सतना स्टेशनों पर बोर्डिंग एवं डी-बोर्डिंग की व्यवस्था की गई है। पैकेज की शुरुआती कीमत 61,340 रुपये प्रति व्यक्ति रखी गई है।
भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन को आधुनिक सुविधाओं और आरामदायक यात्रा अनुभव के लिए तैयार किया गया है। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को केवल एक गंतव्य तक पहुंचाना नहीं, बल्कि

पूरी यात्रा को यादगार बनाना है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में धार्मिक और पर्यटन सर्किटों पर आधारित विशेष ट्रेनों को यात्रियों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। यह टूर उन लोगों के लिए भी आकर्षक साबित हो सकता है जो विदेश यात्रा का अनुभव लेना चाहते हैं, लेकिन लंबी योजना और जटिल व्यवस्थाओं से बचना चाहते हैं। एक ही पैकेज में यात्रा, दर्शनीय स्थल और व्यवस्थित पर्यटन अनुभव मिलने से यह यात्रा श्रद्धालुओं और पर्यटकों दोनों के लिए सुविधाजनक विकल्प बनकर सामने आई है। यात्री आईआरसीटीसी टूरिज्म वेबसाइट के माध्यम से इस पैकेज की बुकिंग कर सकते हैं।

रेलवे को निशाना बनाने की घटनाओं पर सख्त रुख, यात्रियों से भी सतर्क रहने की अपील

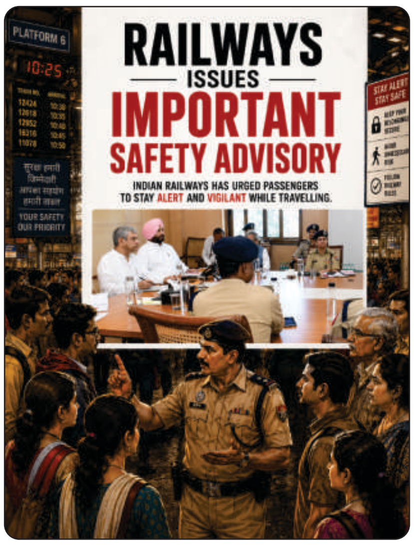

सूत्र/रे.स.ब्यू -भारतीय रेलवे ने यात्रियों से यात्रा के दौरान सतर्क और सावधान रहने का आग्रह करते हुए कहा है कि रेलवे परिसर में किसी भी संदिग्ध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर दी जाए। हाल ही में रेलवे को निशाना बनाकर की गई घटनाओं के मद्देनजर नई दिल्ली स्थित रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, रवनीत सिंह बिट्टू और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि पिछले कुछ दिनों में हुई कुछ आगजनी की घटनाओं सहित कई मामलों की प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता सामने आई है और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इन मामलों की सक्रिय जांच कर रहा है। रेलवे ने ट्रेनों, यात्रियों, स्टेशनों और पूरे रेल नेटवर्क की सुरक्षा मजबूत करने के लिए एआई, ड्रोन और सीसीटीवी जैसी आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग तथा जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान देशभर के फील्ड अधिकारियों के साथ व्यापक परामर्श भी किया गया।

प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर बैटरी कार सुविधा की शुरुआत

सूत्र/रे.स.ब्यू - यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज मंडल द्वारा प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर बैटरी संचालित कार सेवा का शुभारंभ किया गया है। इस नई सुविधा के शुरू होने से अब यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक जाने तथा स्टेशन परिसर से बाहर निकलने में काफी सहूलियत मिलेगी। विशेष रूप से बुजुर्ग, दिव्यांग, बीमार एवं छोटे बच्चों के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को इस सेवा से अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा।
मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, श्री हरिमोहन के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप यह यात्री हितैषी सुविधा प्रारंभ की गई है। प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर बढ़ती यात्री संख्या एवं यात्रियों की आवश्यकताओं को देखते हुए इस सेवा की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। बैटरी कार सेवा का संचालन पर्यावरण अनुकूल एवं सुरक्षित तरीके से किया जाएगा। इस सेवा का ठेका "बालाजी भगवत प्रोजेक्ट लिमिटेड, सुल्तानपुर" को आगामी 5 वर्षों के लिए प्रदान किया गया है। यात्रियों के लिए निर्धारित किराया प्रति यात्री प्रति ट्रिप 50 रखा गया है, जबकि पूरी बैटरी कार की बुकिंग 150 में उपलब्ध होगी।
रेल प्रशासन का उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराना है। यह पहल स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यात्रियों ने भी इस नई सुविधा का स्वागत करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी बताया है। प्रयागराज मंडल भविष्य में भी यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर यात्रा अनुभव के लिए इसी प्रकार नवीन एवं जनहितकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

पर्यावरण संरक्षण में नई मिसाल गढ़ रही भारतीय रेल

81.59 लाख पौधे, हजारों जल संरक्षण परियोजनाएं

मुख्य बिंदु

- वर्ष 2025-26 में भारतीय रेलवे ने 81.59 लाख पौधे लगाए, जिससे हरित आवरण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला।
- मार्च 2026 तक 99.6 प्रतिशत ब्रॉड गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है, जिससे डीजल पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आई है।
- रेलवे ने 8,313 वर्षा जल संचयन संरचनाएं, 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्र और 3.66 लाख से अधिक बायो-टॉयलेट स्थापित कर जल संरक्षण और स्वच्छता को नई मजबूती दी है।

सूत्र/रे.स.ब्यू - विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर भारतीय रेल ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पिछले वर्षों में हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को रेखांकित किया है। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क के रूप में भारतीय रेल न केवल प्रतिदिन दो करोड़ से अधिक यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचा रही है, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणाली के निर्माण की दिशा में भी लगातार कदम बढ़ा रही है।
रेलवे ने वर्ष 2025-26 के दौरान देशभर में 81.59 लाख पौधे लगाए हैं। रेलवे लाइनों, स्टेशन परिसरों और उपलब्ध रेलवे भूमि पर किए गए व्यापक वृक्षारोपण से हरित आवरण बढ़ रहा है। इससे कार्बन उत्सर्जन कम करने, जैव विविधता को बढ़ावा देने तथा मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद मिल रही है। रेलवे के अनुसार, ट्रैक के किनारे लगाए गए पेड़ धूल और शोर को कम करने के साथ-साथ कई क्षेत्रों में ट्रैक सुरक्षा को भी मजबूत बना रहे हैं।
जल संरक्षण के क्षेत्र में भी रेलवे ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2016-17 से अब तक देशभर में 8,313 वर्षा जल संचयन संरचनाएं स्थापित की गई हैं। इसके अलावा 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्रों के माध्यम से उपयोग किए गए पानी का उपचार कर उसे दोबारा इस्तेमाल किया जा रहा है। रेलवे ने 109 तालाबों, टैंकों और अन्य जल निकायों का पुनरुद्धार भी किया है, जिससे भूजल पुनर्भरण और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला है।
पर्यावरणीय दृष्टि से भारतीय रेल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उसके ब्रॉड गेज नेटवर्क का व्यापक विद्युतीकरण है। मार्च 2026 तक 99.6 प्रतिशत ब्रॉड गेज मार्गों का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। इससे डीजल पर निर्भरता में बड़ी कमी आई है और वर्ष 2024-25 में रेलवे ने 2016-17 की तुलना में 178 करोड़ लीटर डीजल की बचत दर्ज की है।
स्वच्छता के क्षेत्र में भी रेलवे ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2014 से अब तक यात्री डिब्बों में 3.66 लाख से अधिक बायो-टॉयलेट लगाए जा चुके हैं। इससे पटरियों पर मानव अपशिष्ट के सीधे निस्तारण को लगभग समाप्त करने में सफलता मिली है, जिससे मिट्टी और भूजल संरक्षण को बल मिला है।
स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल ने दिसंबर 2025 तक 909 मेगावाट सौर ऊर्जा और 103 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित कर ली है। इसके अलावा 3,300 मेगावाट अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लिए समझौते किए गए हैं। रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और कॉलोनियों में शत-प्रतिशत एलईडी प्रकाश व्यवस्था लागू कर ऊर्जा दक्षता को भी बढ़ावा दिया गया है।
भारतीय रेल का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण अब उसकी कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, विद्युतीकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयास रेलवे को एक हरित, स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन प्रणाली के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

यात्रियों के शानदार रिस्पॉन्स के बाद जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत का हुआ विस्तार

सूत्र/रे.स.ब्यू - यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का विस्तार कर इसे अब 20 कोच के साथ संचालित किया जा रहा है। रेलवे के इस कदम से ट्रेन की यात्री क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे अधिक लोगों को यात्रा की सुविधा मिल रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, कोचों की संख्या बढ़ाए जाने के बाद ट्रेन को यात्रियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अतिरिक्त कोच जुड़ने से सीटों की उपलब्धता बेहतर हुई है और व्यस्त दिनों में यात्रियों को टिकट मिलने की संभावना भी बढ़ी है। जोधपुर और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बीच तेज, आरामदायक और आधुनिक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने वाली यह वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों के बीच पहले से ही लोकप्रिय रही है। अब 20 कोचों के साथ संचालन शुरू होने से ट्रेन की वहन क्षमता में और इजाफा हुआ है, जिससे बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। रेलवे का मानना है कि क्षमता विस्तार से यात्रियों को अधिक सुविधा मिलने के साथ-साथ इस मार्ग पर यात्रा अनुभव भी बेहतर होगा।

दिल्ली किशनगंज स्टेशन पर आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू

सूत्र/रे.स.ब्यू - उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल अपने रेल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में दिल्ली किशनगंज रेलवे स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण आधुनिकीकरण परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है। अब दिल्ली किशनगंज रेलवे स्टेशन ट्रेन संचालन के लिए और अधिक उन्नत एवं सक्षम हो गया है। यह उन्नयन कार्य दिनांक 05.05.2026 से 13.05.2026 तक किया गया तथा 13 मई 2026 को दिल्ली किशनगंज (डी.के.जेड.) स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक सिग्नलिंग प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया। इस आधुनिकीकरण एवं यार्ड रीम डलिंग के अंतर्गत नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग आधारित सिग्नलिंग प्रणाली लागू की गई है, जिससे सुरक्षा, विश्वसनीयता, परिचालन दक्षता तथा सेक्शन में ट्रेनों की सुगम आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्नत प्रणाली में आधुनिक सिग्नलिंग तकनीक के साथ बेहतर फेल-सेफ सुविधाएं एवं उन्नत मॉनिटरिंग व्यवस्था शामिल है। कार्य की कुल लागत लगभग 34 करोड़ रही।
यह कमीशनिंग दिल्ली मंडल में सिग्नलिंग बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है तथा यात्रियों एवं मालगाड़ियों दोनों के लिए सुरक्षित एवं अधिक कुशल ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने की भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि रेलवे के दिल्ली मंडल एवं मुख्यालय की परियोजना टीमों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

IRFC Signs ₹13,527 Crore Loan Agreement for Hyderabad Metro Rail Refinancing

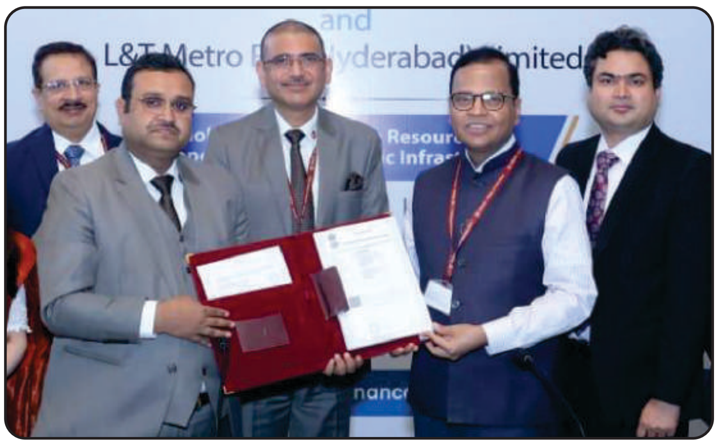

Source/RSB- Indian Railway Finance Corporation (IRFC) has signed a landmark ₹13,527 crore term loan agreement with L&T Metro Rail (Hyderabad) Limited and Hyderabad Metro Rail Limited for refinancing the Hyderabad Metro Rail project, marking one of India's largest urban transit refinancing transactions. The agreement was signed in the presence of Manoj Kumar Dubey, K Ramakrishna Rao, Sarfaraz Ahmad, Randhir Sahay, and Deepa Kotnis, along with senior officials from IRFC, HMRL and L&TMRHL. Hyderabad Metro Rail Phase-I spans 69.2 km across three corridors with 57 stations and is among the world's largest metro rail projects developed under the PPP model. The network currently handles over 5 lakh passenger journeys daily.

DFCCIL MD Praveen Kumar Inspects Dhanbad–Dankuni Section for Proposed East-West Dedicated Freight Corridor

Sh. Praveen Kumar, Managing Director of DFCCIL, conducted a railcar inspection of the Dhanbad–Dankuni section as part of the assessment for the proposed East-West Dedicated Freight Corridor. The inspection focused on evaluating the alignment feasibility and future freight connectivity potential of the route. The proposed corridor is expected to play a significant role in strengthening freight transportation across eastern India by improving network integration and enabling more efficient movement of bulk commodities and industrial freight. The initiative is aimed at enhancing logistics efficiency and supporting the region's growing industrial and economic requirements.

NFR Enhances Passenger Comfort with New High-Tech Laundry Facility at Rautara

Source/RSB- In a major step towards enhancing passenger comfort and hygiene standards, Northeast Frontier Railway has commissioned a modern BOOT Laundry facility at Rautara under Katihar Division. With a processing capacity of 24 tonnes per day, the facility is capable of catering to the entire linen washing requirement of Katihar Division and will ensure uninterrupted supply of clean and hygienic bedrolls even during the busiest travel seasons.

The state-of-the-art laundry will provide freshly washed and high-quality linens for major Katihar Division based trains including the Amrapali Express and Champaran Humsafar Express. Equipped with advanced automated machinery, the facility ensures 100% stain-free washing, thereby improving passenger comfort and reducing complaints related to hygiene and linen quality during train journeys.

The fully mechanised laundry system has been designed to efficiently handle large volumes of linen while optimising the usage of water, power, steam and chemicals. The washing process begins with weighing and feeding of soiled linens into an automatic conveyor system. Through computerised operations, the linens are loaded into a tunnel batch washer for thorough washing and cleaning.

After washing, robotic feeding systems automatically transfer the linens from the washer to the dryers. Water extraction is carried out through a hydraulic pressing system to facilitate maximum removal of moisture. The linens are then moved through shuttle conveyors and dried in industrial dryers.

Subsequently, the linens pass through advanced ironing and automatic folding machines to ensure proper finishing and presentation. To maintain strict quality standards, a Whiteness Meter is used to check the cleanliness and brightness of the linens before dispatch. Finally, the linen sets are hygienically packed and supplied to their respective trains.

Currently, 08 mechanized laundries are operational across Northeast Frontier Railway. Additionally, the existing mechanized laundry at Kamakhya (KYQ) has been augmented from 4 tonnes to 6 tonnes capacity, further strengthening the zone's capability to meet the growing demand for quality linen services.

The commissioning of this advanced BOOT Laundry facility is another significant initiative by Northeast Frontier Railway towards improving onboard passenger amenities and maintaining high standards of cleanliness, hygiene and comfort for passengers travelling across Katihar Division.

IRCTC Set to Relaunch Enhanced Golden Chariot with Modern Amenities for 2026-27 Season

Source/RSB- The Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) has unveiled plans to restart its prestigious Golden Chariot luxury rail service beginning the 2026-27 tourist season, marking a significant return for one of India's most recognizable premium travel experiences. The relaunched service will traverse culturally rich regions of South India, offering passengers specially designed itineraries that blend heritage exploration with leisure travel.

The rejuvenated Golden Chariot comes equipped with comprehensive modernization efforts aimed at enhancing the guest experience. The train will feature completely renovated cabins adorned with contemporary furnishings and aesthetic upgrades, complemented by cutting-edge entertainment infrastructure including intelligent television systems and broadband internet connectivity throughout the carriages. Additionally, the service prioritizes passenger safety through the installation of comprehensive surveillance networks and state-of-the-art fire protection mechanisms.

The accommodations span 40 well-appointed cabins with capacity for 80 travellers, offering flexible configurations such as queen and twin sleeping arrangements alongside an accessible cabin designed specifically for guests with mobility requirements. The onboard hospitality infrastructure encompasses two specialty dining establishments-Ruchi and Nalapaka-serving both traditional Indian and contemporary international menus, complemented by a cocktail lounge and a comprehensive wellness center featuring spa and fitness facilities.

For the upcoming season, IRCTC has curated three distinct regional packages: the six-day Pride of Karnataka circuit navigating through Bengaluru, Bandipur, Mysuru, Halebidu, Chikkamagaluru, Hampi and Goa; the six-day Jewels of South route featuring Bengaluru, Mysuru, Kanchipuram, Mahabalipuram, Thanjavur, Chettinad and Cochin; and the four-day Glimpses of Karnataka expedition covering Bengaluru, Bandipur, Mysuru and Hampi. Each itinerary includes comprehensive amenities such as meals, select beverages, guided excursions in climate-controlled transportation, historical monument entry fees, and coordinated dining experiences at regional stops.

To encourage advance bookings, IRCTC is offering substantial fare reductions of up to 20 percent for selected departure dates, with an additional 5 percent discount available for reservations confirmed by June 30, 2026. This promotional strategy aims to attract early commitment from prospective travellers seeking an immersive luxury exploration of South India's cultural and natural attractions.

CONCOR-PSA Mumbai Partnership Aims to Transform Rail Cargo Connectivity

Source/RSB- Container Corporation of India (CONCOR) and Bharat Mumbai Container Terminals (PSA Mumbai) have signed a Memorandum of Understanding (MoU) to facilitate the movement of cabotage, domestic and customs-cleared cargo from PSA Mumbai to CONCOR's network of Inland Container Depots (ICDs) and domestic terminals through rail-based services.

The agreement aims to enhance logistics efficiency by improving cargo connectivity between ports and hinterland locations across the country. Under the partnership, CONCOR and PSA Mumbai will collaborate on the development of multimodal logistics solutions to support seamless and efficient cargo movement.

The MoU was signed on May 15, 2026, in New Delhi in the presence of Mr. Sanjay Swarup, Chairman and Managing Director, CONCOR, and Mr. Vincent

Ng, Regional CEO, MESAAT, PSA. Directors of CONCOR and senior officials from both organizations were also present on the occasion. The collaboration is expected to strengthen port-hinterland connectivity, promote rail-based cargo transportation and contribute to the development of an integrated and efficient logistics ecosystem in India.

Western Railway GM Reviews Operations and Passenger Facilities at Nandurbar Station

Source/RSB- Western Railway General Manager Shri Ramashray Pandey inspected Nandurbar Railway Station in the Jalgaon–Udhna section, reviewing key operational systems and passenger service facilities as part of an assessment of station performance and service standards.

During the inspection, Shri Pandey examined the functioning of the Carriage & Wagon Command Centre, station infrastructure, passenger amenities, cleanliness arrangements, and catering units, including food stalls. The visit focused on evaluating operational preparedness and the quality of services being provided to passengers.

The General Manager also interacted with railway staff, appreciating their efforts and encouraging them to maintain a strong focus on operational efficiency, service excellence, and passenger convenience.

Delhi Metro Receives Encouraging Response to 'Metro Monday' Initiative

Source/RSB- Delhi Metro witnessed an encouraging response to the 'Metro Monday' initiative launched by the Government of NCT of Delhi to promote the use of metro and other public transport services in place of private vehicles on Mondays.

Several senior dignitaries and public representatives travelled by Delhi Metro in support of the initiative, including Delhi Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu, Chief Minister Rekha Gupta, Transport Minister Dr. Pankaj Kumar Singh, Environment Minister Manjinder Singh Sirsa, Labour Minister Kapil Mishra, Education Minister Ashish Sood, Social Welfare Minister Ravinder Indraj Singh, Member of Parliament Manoj Tiwari and MLA Sanjay Goyal. Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav also travelled by the Metro as part of the initiative.

To accommodate the expected increase in passenger traffic and ensure a smooth travel experience, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) operated six additional trains, resulting in 24 extra train trips during the day. DMRC has announced that similar arrangements will continue every Monday, with the possibility of introducing additional services on other days based on passenger demand.

The additional services are aimed at providing safe, reliable, convenient and environment-friendly public transport while supporting the broader objectives of fuel conservation and sustainable urban mobility.

The 'Metro Monday' initiative was launched by the Delhi Government in view of recent developments in the Middle East & the national appeal for fuel conservation.

Hello Young Travellers!

Your Next Train Journey Can Help Save The Planet

Have you ever looked out of a train window and watched green fields rush past, rivers sparkle in the sunlight, or birds soar across the sky? Nature makes every train journey special. But have you ever thought about how you can help protect that beautiful environment while travelling? As we celebrate World Environment Day on June 5, it's time to remember that protecting the Earth isn't just a job for scientists, environmentalists, or adults. Young people like you have the power to make a real difference, one train journey at a time. Railways are already one of the greenest ways to travel. Trains can carry thousands of passengers while using less energy and producing fewer emissions than many other forms of transportation. But keeping rail travel environmentally friendly depends on passengers too. That's where you come in!

WORLD ENVIRONMENT DAY

Be the Passenger Everyone Wants to Travel With

Imagine stepping into a train coach that is clean, fresh, and litter-free. Feels great, right? You can help make that happen. Whenever you finish a snack or a drink, make sure the wrapper, bottle, or cup goes into a dustbin not under the seat, not on the platform, and definitely, not out of the window. A clean train isn't just more pleasant; it also helps protect wildlife and keeps railway stations beautiful for everyone. Here's a challenge: Can you complete your next train journey without creating any litter at all?

Ditch Plastic, Choose Smart

Plastic pollution is one of the biggest environmental problems facing the world today. The good news? You can help reduce it. Carry a reusable water bottle instead of buying multiple plastic bottles. Bring snacks in reusable containers. Use a cloth bag instead of plastic bags whenever possible. These may seem like small choices, but when thousands of young travellers make them every day, the impact is huge. Remember, Being eco-friendly is not about doing big things once; it's about doing small things every day.

Every Drop Counts

Water may seem endless when it flows from a tap, but it is one of our most precious resources. When using washrooms at stations or on trains, turn off taps properly. Don't waste water while washing your hands. If you notice a leaking tap, tell an adult or railway staff member. Saving water is one of the easiest ways you can help the environment whether you're at home, at school, or on a train.

Respect Nature Outside Your Window

One of the best parts of rail travel is the view. Forests, villages, lakes, farms, mountains, and wildlife all become part of your journey. When you throw anything out of a train window, it doesn't simply disappear. It can pollute the land, harm animals, and spoil the natural beauty that makes train travel so enjoyable. The next time you admire a beautiful landscape from your seat, remember that protecting it starts with your own actions.

Travel Like a Future Leader

Today's young passengers are tomorrow's leaders, innovators, and decision-makers. The habits you develop now will shape the future. By travelling responsibly, reducing waste, saving resources, and respecting nature, you're already helping build a cleaner and greener world. Leadership isn't about age, it's about action.

Your Green Traveller Pledge

This World Environment Day, make a promise to yourself:

✓ I will keep trains and stations clean.
✓ I will avoid unnecessary plastic waste.
✓ I will save water and use resources responsibly.
✓ I will respect nature wherever I travel.
✓ I will encourage others to do the same.

Because every great journey begins with a single step—and every greener future begins with one responsible traveller.

So, young traveller, are you ready to be a Green Hero on your next train journey?